ज्ञान गुरु का ही मानव को मुक्ति पथ पर लाता है।

20 अगस्त 2018: इंसान को अज्ञानता एवं दुनियावी बंधनो से मुक्त कराने हेतु बाबा अवतार सिंह जी, जगतमाता बुद्धवंती जी, निरंकारी राजमाता जी, बाबा हरदेव सिंह जी, माता सविन्दर हरदेव जी एवं अनेको संतो ने अपने प्राणों ही आहुति दी। इन्हीं संतो को श्रंद्धांजलि अर्पित करने हेतु एवं इनके जीवन से प्रेरणा लेने हेतु, संत निरंकारी मिशन हर वर्ष 15 अगस्त 'मुक्ति पर्व दिवस' के रूप में मनाता है।

मुम्बई ज़ोन में इस वर्ष मुंबई, ठाणे, नवी मुंबई, उल्हासनगर से कुल मिलाकर 43 निरंकारी सत्संग भवन पर मुक्ति पर्व दिवस मनाया गया।

इस आत्मा को जन्म मरण के बंधन से निज़ाद दिलाना ही सही मान्यो में मुक्ति है। इसी के साथ मनुष्य ने अपने आप को जाती, धर्म, ऊंच-नीच के बंधन में जकड़ रखा है। युगों युगों से संतो महापुरुषों ने ब्रम्हज्ञान द्वारा ही मनुष्य को सभी प्रकार के बंधन से मुक्त कराया है। निरंकारी मिशन के पूर्व संतो ने भी ब्रम्हज्ञान की रोशनी में जीवन जीकर जीवन मुक्ति प्राप्त की और औरों के लिए प्रेरणास्रोत बने रहे।

इन संतो का बलिदान कभी व्यर्थ नही जाएगा और हमेशा ये जीवन मुक्ति के रोशनमिनार बने रहेंगे।